



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 538]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 26, 2006/ज्येष्ठ 5, 1928

No. 538]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 26, 2006/JYAISTHA 5, 1928

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 26 मई, 2006

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2006

कॉ.आ. 807(अ).- बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2006 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 में -

- (i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ज) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(ज) 'संप्रवर्तक' से अभिप्रेत है -

(क) कोई व्यक्ति जो लक्ष्य कंपनी के नियंत्रण में है ;

(ख) लक्ष्य कंपनी के किसी प्रस्ताव दस्तावेज या सूचीबद्धता करार के अनुसरण में स्टॉक एक्सचेंजों के पास लक्ष्य कंपनी द्वारा दाखिल किए गए किसी शेयरधारिता पैटर्न, जो भी पश्चात्वर्ती हो में संप्रवर्तक के रूप में नामित कोई व्यक्ति ;

और जिसमें स्पष्टीकरण । में यथा उल्लिखित संप्रवर्तक समूह से संबंधित कोई व्यक्ति सम्मिलित है :

परंतु यह कि लक्ष्य कंपनी का निदेशक या अधिकारी अथवा कोई अन्य व्यक्ति संप्रवर्तक नहीं होगा, यदि वह ऐसी हैसियत से केवल अपनी वृत्तिक हैसियत में कार्य कर रहा है ।

स्पष्टीकरण । : इस खंड के प्रयोजन के लिए, 'संप्रवर्तक समूह' में :

(क) यदि संप्रवर्तक निगमित निकाय है -

(i) उस निगमित निकाय की समनुषंगी या नियंत्री कंपनी ;

(ii) कोई कंपनी जिसमें संप्रवर्तक इक्विटी पूँजी का 10% या अधिक धारण करता है या जो संप्रवर्तक की इक्विटी पूँजी का 10% या अधिक धारण करती है ;

(iii) कोई कंपनी जिसमें व्यष्टियों या कंपनियों का समूह या उनका संयोजन जो उस कंपनी में इक्विटी पूँजी का 20% या अधिक धारण करता है लक्ष्य कंपनी की इक्विटी पूँजी का 20% या अधिक भी धारण करता है ; और

(ख) यदि संप्रवर्तक व्यक्ति है -

- (i) उस व्यक्ति का पति या पत्नी, अथवा उस व्यक्ति का या उसके पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहिन या संतान ;
- (ii) कोई कंपनी जिसमें शेयर पूँजी का 10% या अधिक संप्रवर्तक या संप्रवर्तक के सीधे नातेदार या फर्म या एचयूएफ जिसमें संप्रवर्तक अथवा उसका कोई एक या अधिक सीधा नातेदार सदस्य है द्वारा धारित है ;
- (iii) कोई कंपनी जिसमें ऊपर (i) में विनिर्दिष्ट कंपनी, 10% या अधिक धारण करती है, शेयर पूँजी का ; और
- (iv) कोई एचयूएफ या फर्म जिसमें संप्रवर्तक और उसके सीधे नातेदारों का कुल अंश कुल के 10% के बराबर या से अधिक है

सम्मिलित होंगी ।

स्पष्टीकरण ॥ : वित्तीय संस्थाएँ, अनुसूचित बैंक, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता और पारस्परिक निधियाँ केवल अपनी शेयरधारिता के आधार पर संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह नहीं समझे जायेंगे ।

परंतु यह कि वित्तीय संस्थाएँ, अनुसूचित बैंक और विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता उनके द्वारा संप्रवर्तित समनुषंगियों या कंपनियों अथवा उनके द्वारा प्रायोजित पारस्परिक निधियों के लिए संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह माने जायेंगे ।"

(iii) विनियम 3 में -

(क) उप-विनियम (1) में, खंड (ड) में, उप-खंड (iii) में -

(I) मद (क) में, शुरू में आने वाले शब्दों "भारतीय संप्रवर्तक" के लिए, शब्द "अर्हक भारतीय संप्रवर्तक" प्रतिस्थापित किये जायेंगे ;

(II) मद (ख) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

"(ख) अर्हक संप्रवर्तक । "

(III) स्पष्टीकरण में -

1. आरंभिक भाग में आने वाले शब्द "संप्रवर्तक" के लिए, शब्द "अर्हक संप्रवर्तक" प्रतिस्थापित किये जायेंगे ;

2. उप-खंडों (क) और (ख) में शब्द "संप्रवर्तक" जहाँ कहीं यह आता हो को शब्दों "अर्हक संप्रवर्तक" से प्रतिस्थापित किया जायेगा ;

(ख) उप-विनियम (1क) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(1क) संदेह दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट कोई भी बात सूचीबद्धता अपेक्षाओं के लागू होने को प्रभावित नहीं करेगी ।"

(iii) विनियम 10 में, परंतुकों और स्पष्टीकरण का लोप हो जायेगा ;

(iv) विनियम 11 में -

(क) उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(2) कोई भी अर्जनकर्ता, जो उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ धारण करता है, लक्ष्य कंपनी में

शेयरों या मताधिकारों का पचपन प्रतिशत (55%) या अधिक किन्तु पचहत्तर प्रतिशत (75%) से कम, या तो स्वयं द्वारा या उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के माध्यम से उसमें किन्हीं अतिरिक्त शेयरों या मताधिकारों को अर्जित नहीं करेगा, जब तक कि वह इन विनियमों के अनुसार शेयरों को अर्जित करने के लिए सार्वजनिक घोषणा नहीं कर देता:

परंतु यह कि उस मामले में जहाँ लक्ष्य कंपनी ने प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खंड (ख) के निबंधनों के अनुसार जनता को निर्गम आकार का कम से कम दस प्रतिशत (10%) का प्रस्ताव करते हुए इसके शेयरों की सूचीबद्धता अभिप्राप्त की थी, या उक्त नियम के कड़े प्रवर्तन से प्रदान किए गए किसी शिथिलीकरण के निबंधनों के अनुसार, यह उप-विनियम लागू होगा मानो कि शब्दों और अंकों "पचहत्तर प्रतिशत (75%)" के लिए, शब्द और अंक "नब्बे प्रतिशत (90%)" प्रतिस्थापित हुए हों।"

(ख) उप-विनियम (2) के पश्चात् आने वाले विद्यमान परंतुकों और स्पष्टीकरण का लोप हो जायेगा ;

(ग) उप-विनियम (2क) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

"(2क) जहाँ अर्जनकर्ता जो (उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ) लक्ष्य कंपनी में शेयरों या मताधिकारों का पचपन प्रतिशत (55%) या अधिक किन्तु पचहत्तर प्रतिशत (75%) से कम धारण करता है, अपनी धारिता को समेकित करने की वाँछा रखता है सुनिश्चित करते हुए कि लक्ष्य कंपनी में सार्वजनिक शेयरधारिता सूचीबद्धता करार द्वारा अनुज्ञात न्यूनतम स्तर से नीचे नहीं आती है, वह ऐसा केवल इन विनियमों के अनुसार सार्वजनिक घोषणा करते हुए ही कर सकेगा:

16/11/62/06-2

परंतु यह कि उस मामले में जहाँ लक्ष्य कंपनी ने प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खंड (ख) के निबंधनों के अनुसार जनता को निर्गम आकार का कम से कम दस प्रतिशत (10%) का प्रस्ताव करते हुए इसके शेयरों की सूचीबद्धता अभिप्राप्त की थी, या उक्त नियम के कड़े प्रवर्तन से प्रदान किए गए किसी शिथिलीकरण के निबंधनों के अनुसार, यह उप-विनियम लागू होगा मानो कि शब्दों और अंकों "पचहत्तर प्रतिशत (75%)" के लिए, शब्द और अंक "नब्बे प्रतिशत (90%)" प्रतिस्थापित हुए हों।"

- (V) विनियम 20 में, उप-विनियम (7) में, दूसरा परंतुक निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"परंतु यह और कि उप-विनियम (7) में अंतर्विष्ट किसी भी बात का अर्थ अर्जनकर्ता जो विनियम 11 के उप-विनियम (2क) के निबंधनों के अनुसार सार्वजनिक घोषणा करता है को खुले बाजार में या बातचीत के माध्यम से या सार्वजनिक प्रस्ताव के अधीन से अन्यथा किसी अन्य रीति में प्रस्ताव कालावधि के दौरान किन्हीं शेयरों को अर्जित करने के लिए प्राधिकृत करना नहीं लगाया जायेगा।"

- (vi) विनियम 21 में -

- (क) उप-विनियम (1) के पश्चात् आने वाले परंतुक का लोप हो जायेगा;
- (ख) उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्-

"(2) यदि सार्वजनिक प्रस्ताव के अनुसरण में किए गए अर्जन के परिणामस्वरूप लक्ष्य कंपनी में सार्वजनिक शेयरधारिता सूचीबद्धता करार के अनुसार अपेक्षित न्यूनतम स्तर से कम हो जाती है, तो अर्जनकर्ता उसके सुसंगत उपबंधों से लक्ष्य कंपनी की अनुपालना को सुकर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठायेगा, उसमें उल्लिखित समय कालावधि के भीतर।"

(ग) उप-विनियम (3) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्-

"(3) जहाँ सार्वजनिक प्रस्ताव विनियम 11 के उप-विनियम (2क) के अधीन किया जाता है सार्वजनिक प्रस्ताव का न्यूनतम आकार निम्नलिखित से कमतर होगा -

(क) कंपनी की मतदान पूँजी के बीस प्रतिशत ; या

(ख) कंपनी की मतदान पूँजी के ऐसे अन्य कमतर प्रतिशत जो, प्रस्ताव के प्रति पूर्ण अभिदान की कल्पना करते हुए, अर्जनकर्ता को समर्थ बनायेगा, उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ, अधिकतम संभव स्तर तक उसकी धारिता को बढ़ाने में, जो सूचीबद्धता करार में अधिकथित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की अपेक्षाओं को पूरा करने वाली लक्ष्य कंपनी से संगत है। "

[फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/2605/2006]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

#### पाद टिप्पण :

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997, मूल विनियम, का.आ. सं.124(अ), 20 फरवरी 1997 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

(2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 तत्पश्चात् -

- (क) तारीख 28 अक्टूबर 1998 के का.आ. 930(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 1998
- (ख) तारीख 28 मार्च 2000 के का.आ. 278(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000
- (ग) तारीख 30 दिसम्बर 2000 के का.आ. 1178(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2000
- (घ) तारीख 17 अगस्त 2001 के का.आ. 791(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2001
- (ङ) तारीख 12 सितंबर 2001 के का.आ. 875(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2001
- (च) तारीख 24 अक्टूबर 2001 के का.आ. 1058(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2001
- (छ) तारीख 29 जनवरी 2002 के का.आ. 127 (अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2002
- (ज) तारीख 9 सितंबर 2002 के का.आ. 954 (अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002
- (झ) तारीख 18 दिसम्बर 2002 के का.आ. 1328(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2002
- (ञ) तारीख 30 अगस्त 2004 के का.आ. 982(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2004



(ट) तारीख 30 दिसम्बर 2004 के का.आ. 5(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाग्यविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2004

द्वारा संशोधित हुए थे ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

**NOTIFICATION**

Mumbai, the 26th May, 2006

**Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2006**

S.O. 807(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997, namely :-

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2006.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 –

164 GII/06-3

- (i) in regulation 2, in sub-regulation (1), clause (h) shall be substituted with the following, namely –

“(h) ‘promoter’ means -

- (a) any person who is in control of the target company;
- (b) any person named as promoter in any offer document of the target company or any shareholding pattern filed by the target company with the stock exchanges pursuant to the Listing Agreement, whichever is later;

and includes any person belonging to the promoter group as mentioned in Explanation I:

Provided that a director or officer of the target company or any other person shall not be a promoter, if he is acting as such merely in his professional capacity.

Explanation I: For the purpose of this clause, ‘promoter group’ shall include:

(a) in case promoter is a body corporate -

- (i) a subsidiary or holding company of that body corporate;
- (ii) any company in which the promoter holds 10% or more of the equity capital or which holds 10% or more of the equity capital of the promoter;
- (iii) any company in which a group of individuals or companies or combinations thereof who holds 20% or more of the equity capital in that company also holds 20% or more of the equity capital of the target company; and

(b) in case the promoter is an individual -

- (i) the spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of that person or of his spouse;
- (ii) any company in which 10% or more of the share capital is held by the promoter or an immediate relative of the promoter or a

firm or HUF in which the promoter or any one or more of his immediate relative is a member;

- (iii) any company in which a company specified in (i) above, holds 10% or more, of the share capital; and
- (iv) any HUF or firm in which the aggregate share of the promoter and his immediate relatives is equal to or more than 10% of the total.

Explanation II: Financial Institutions, Scheduled Banks, Foreign Institutional Investors (FIIs) and Mutual Funds shall not be deemed to be a promoter or promoter group merely by virtue of their shareholding. Provided that the Financial Institutions, Scheduled Banks and Foreign Institutional Investors (FIIs) shall be treated as promoters or promoter group for the subsidiaries or companies promoted by them or mutual funds sponsored by them."

(ii) in regulation 3 -

(A) in sub-regulation (1), in clause (e), in sub-clause (iii) -

- (I) in item (a), for the words "Indian promoters" occurring at the beginning, the words "Qualifying Indian promoters" shall be substituted;
- (II) item (b) shall be substituted with the following, namely:  
"(b) qualifying promoters."
- (III) in the Explanation -
  1. for the word "promoter" occurring in the opening part, the words "qualifying promoter" shall be substituted;
  2. in sub-clauses (a) and (b) the word 'promoter' wherever it occurs shall be substituted with the words 'qualifying promoter';

(B) for sub-regulation (1A), the following shall be substituted, namely -

“(1A) For the removal of doubt, it is clarified that nothing contained in sub-regulation (1) shall affect the applicability of the listing requirements.”

(iii) In regulation 10, the provisos and the Explanation shall be omitted;

(iv) in regulation 11 –

(A) sub-regulation (2) shall be substituted with the following, namely -

“(2) No acquirer, who together with persons acting in concert with him holds, fifty five per cent. (55%) or more but less than seventy five per cent. (75%) of the of the shares or voting rights in a target company, shall acquire either by himself or through persons acting in concert with him any additional shares or voting rights therein, unless he makes a public announcement to acquire shares in accordance with these Regulations:

Provided that in a case where the target company had obtained listing of its shares by making an offer of at least ten per cent. (10%) of issue size to the public in terms of clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, or in terms of any relaxation granted from strict enforcement of the said rule, this sub-regulation shall apply as if for the words and figures ‘seventy five per cent. (75%)’, the words and figures ‘ninety per cent. (90%)’ were substituted.”

(B) the existing provisos and the Explanation occurring after sub-regulation (2) shall be omitted;

(C) sub-regulation (2A) shall be substituted with the following, namely:

“(2A) Where an acquirer who (together with persons acting in concert with him) holds fifty five per cent. (55%) or more but less than seventy five per cent. (75%) of the shares or voting rights in a target company, is desirous of consolidating his holding while ensuring that the public shareholding in the target company does not fall below the minimum

level permitted by the Listing Agreement, he may do so only by making a public announcement in accordance with these regulations:

Provided that in a case where the target company had obtained listing of its shares by making an offer of at least ten per cent. (10%) of issue size to the public in terms of clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, or in terms of any relaxation granted from strict enforcement of the said rule, this sub-regulation shall apply as if for the words and figures 'seventy five per cent. (75%)', the words and figures 'ninety per cent. (90%)' were substituted."

- (v) in regulation 20, in sub-regulation (7), the second proviso shall be substituted with the following, namely –

"Provided further that nothing contained in sub-regulation (7) shall be construed to authorise an acquirer who makes a public announcement in terms of sub-regulation (2A) of regulation 11 to acquire any shares during the offer period in the open market or through negotiation or in any other manner otherwise than under the public offer."

- (vi) in regulation 21 –

(A) the proviso occurring after sub-regulation (1) shall be omitted;

(B) sub-regulation (2) shall be substituted with the following, namely –

"(2) If the acquisition made in pursuance of a public offer results in the public shareholding in the target company being reduced below the minimum level required as per the Listing Agreement, the acquirer shall take necessary steps to facilitate compliance of the target company with the relevant provisions thereof, within the time period mentioned therein."

(C) sub-regulation (3) shall be substituted with the following, namely -

1611 GI/06-4

“(3) Where the public offer is made under sub-regulation (2A) of regulation 11 the minimum size of the public offer shall be the lesser of the following—

- (a) twenty per cent of the voting capital of the company; or
- (b) such other lesser percentage of the voting capital of the company as would, assuming full subscription to the offer, enable the acquirer, together with the persons acting in concert with him, to increase his holding to the maximum level possible, which is consistent with the target company meeting the requirements of minimum public shareholding laid down in the Listing Agreement.”

[F.No. SEBI/LAD/DOP/2605/2006]

M. DAMODARAN, Chairman

**Footnotes:**

- (1) The Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997, the Principal Regulations were published in the Gazette of India on February 20, 1997 vide S.O. No. 124(E).
- (2) The Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997 were subsequently amended –
  - (a) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 1998 published in the Official Gazette vide S.O. 930(E) dated 28<sup>th</sup> October 1998.

- (b) SEBI (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000, published in the Official Gazette vide S.O.278(E) dated 28<sup>th</sup> March 2000.
- (c) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2000 published in the Official Gazette vide S.O. 1178 (E) dated 30<sup>th</sup> December 2000.
- (d) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2001 published in the Official Gazette vide S.O. 791 (E) dated 17<sup>th</sup> August 2001.
- (e) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2001 published in the Official Gazette vide S.O. 875 (E) dated 12<sup>th</sup> September 2001.
- (f) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Third Amendment) Regulations, 2001 published in the Official Gazette vide S.O. 1058 (E) dated 24<sup>th</sup> October 2001.
- (g) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2002 published in the Official Gazette vide S.O. 127(E) dated 29<sup>th</sup> January 2002.
- (h) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2002 published in the Official Gazette vide S.O. 954(E) dated 9<sup>th</sup> September 2002.
- (i) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Third Amendment) Regulations, 2002 published in the Official Gazette vide S.O.1328 (E) dated 18<sup>th</sup> December, 2002.
- (j) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2004 published in the Official Gazette vide S.O. 982 (E) dated 30<sup>th</sup> August, 2004.
- (k) SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2004 published in the Official Gazette vide S.O. 5 (E) dated 30<sup>th</sup> December, 2004.